मंगलवार, 26 मई, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

IPL से बाहर होने के बाद इमोशनल हुए ऋषभ पंत

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

'डॉन 3' छोड़ने की एक्टर को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

Page-05

पद्म पुरस्कारों की घोषणा हर साल गणतंत्र दिवस के मौके पर की जाती है। ये प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और इंजीनियरिंग, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, खेल और सिविल सेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्रदान किये जाते हैं।

राष्ट्रपति भवन में सितारों का सम्मान
धर्मेंद्र से हरमनप्रीत तक पद्म पुरस्कारों की चमक

- **राष्ट्रपति ने वर्ष 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कार देने की मंजूरी दी है।**
- **ये पुरस्कार दो अलग-अलग अलंकरण समारोहों में प्रदान किये जाने हैं।**

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक नागरिक अलंकरण समारोह में बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र और शास्त्रीय संगीतकार एवं वायलिन वादक एन राजम को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया। कला के क्षेत्र में असाधारण एवं विशिष्ट योगदान के लिए धर्मेंद्र को दिया गया यह पुरस्कार उनकी पत्नी और सांसद हेमा मालिनी ने ग्रहण किया। राजम को भारतीय शास्त्रीय संगीत में उनके अहम योगदान के लिए, खासकर 'गायकी अंग' शैली के माध्यम से वायलिन प्रस्तुति को नया स्वरूप प्रदान करने के लिए दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया गया। राजम ने पंडित ओंकारनाथ ठाकुर से संगीत के गुर सीखे थे। मुर्मू ने उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी; चुनौतियों का सामना कर रहे पारंपरिक भारतीय कला 'अवधान'को पुनर्जीवित करने वाले शतावधानी आर गणेश; कोटक महिंद्रा बैंक के संस्थापक उदय सुरेश कुमार कोटक; और उदर रोग विशेषज्ञ कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी को पद्म भूषण से सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने विज्ञापन गुरु पीयूष पांडे और पूर्व सांसद विजय कुमार मल्होत्रा को भी मरणोपरांत इस सम्मान से नवाजा। पांडे की पत्नी और मल्होत्रा के बेटे ने सम्मान प्राप्त किया। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर भुल्लर, अभिनेता प्रोसेनजीत चटर्जी, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के पूर्व महानिदेशक के. विजय कुमार को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में हुए इस समारोह की शुरुआत राष्ट्रगीत वंदे मातरम के गायन से हुई, जिसके बाद राष्ट्रगान 'जन गण मन' गाया गया। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

किसानों के मुद्दे पर केंद्र पर बरसे रेवंत रेड्डी

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्र सरकार की फसल न खरीदने के लिए आलोचना की। एक विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि धान, मक्का आदि की खरीद में केंद्र सरकार ने सिर्फ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की है, इसके अलावा वह कुछ नहीं कर रही है। आज राज्य के सीपीएम प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में मुख्यमंत्री ने खाद्यान्न खरीद, मूसी पुनर्जीवन परियोजना की प्रगति और गरीब वर्गों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षा प्रणाली में सुधार जैसे मुद्दों पर चर्चा की। वामपंथी दल के नेताओं से खरीद के मुद्दे पर केंद्र सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार 30 प्रतिशत फसल भी नहीं खरीद रही है। विज्ञप्ति में कहा गया है, "किसानों द्वारा उगाई गई हर एक फसल केवल राज्य सरकार ही खरीद रही है। मुख्यमंत्री ने वामपंथी दल के नेताओं को पश्चिम बंगाल में चुनावों के कारण हमाली (लोडर) की कमी के बारे में भी बताया। विज्ञप्ति में आगे कहा गया है, "मौजूदा लू के कारण दोपहर में केंद्रों पर खरीद प्रक्रिया रुक गई। मुख्यमंत्री ने खरीद प्रक्रियाओं की निरंतर समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार किसानों को राहत प्रदान करने के लिए उत्तम किस्म के धान पर प्रति क्विंटल 500 रुपये का बोनस और मक्का पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) भी दे रही है। मुख्यमंत्री रेवंत ने वामपंथी दलों के नेताओं को मूसी नदी के किनारे विस्थापितों को मूसी पुनर्जीवन परियोजना के तहत दी जा रही राहत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, "सरकार विस्थापितों के लिए आवास स्वीकृत कर रही है।

मुख्यमंत्री विजय ने फसल ऋण माफी की घोषणा की

कृषि क्षेत्र को समर्थन देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण राहत उपाय के तहत, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को राज्य भर के किसानों के लिए सहकारी बैंक फसल ऋण माफी की घोषणा की। इस योजना के तहत, सीमांत किसानों को 50,000 रुपये तक के फसल ऋण में पूर्ण छूट मिलेगी, जबकि बड़े किसानों को सहकारी बैंकों से लिए गए उनके बकाया ऋणों पर 5,000 रुपये तक की राहत दी जाएगी। इस घोषणा से उन हजारों किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है जो बढ़ती खेती लागत और अनिश्चित कृषि परिस्थितियों के बीच कर्ज के बोझ तले दबे हुए हैं। मुख्यमंत्री विजय के अनुसार, इस कदम से लगभग 14.22 लाख किसानों को फायदा होगा और इस कार्यक्रम पर 2,044 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को कावेरी नदी पर प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना पर राज्य की प्रतिक्रिया की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। तमिलनाडु लगातार इस परियोजना का विरोध कर रहा है, यह दावा करते हुए कि इससे नदी के पानी में राज्य का हिस्सा प्रभावित हो सकता है और किसानों को नुकसान हो सकता है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कर्नाटक में हाल ही में परियोजना के लिए आयोजित "भूमि पूजा" के बाद बैठक बुलाई गई थी। चर्चा का मुख्य केंद्र तमिलनाडु के जल अधिकारों की रक्षा और किसानों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

एनएच 24 से सटी
एलएन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में भीषण आग

गाजियाबाद स्थित एनएच 24 से सटी एलएन इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में भीषण आग लग गई है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी की सीएनसी मशीन में खराबी आने से यह आग लगी। आग तेजी से बढ़कर पूरी कंपनी में फैल गई है। यह कंपनी पंखे और लाइट के निर्माण का कार्य करती है। आग इतनी भयावह है कि मौके पर कई दमकल विभाग की गाड़ियां मौजूद हैं। इसके बावजूद आग पर पूरी तरह से काबू नहीं पाया जा सका है। आग बुझाने के प्रयास लगातार जारी हैं और अतिरिक्त सहायता बुलाई गई है। कंपनी को पूरी तरह से खाली करा लिया गया है। इससे किसी भी प्रकार की जनहानि से बचा जा सका है। आग लगने का प्रारंभिक कारण सीएनसी मशीन का अत्यधिक गर्म होना बताया जा रहा है। इस घटना से कंपनी को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। आग के कारण आसपास के क्षेत्र में भी धुएं का गुबार फैल गया है। आग की लपटें काफी ऊंची उठ रही हैं और दूर से ही दिखाई दे रही हैं। धुएं का गुबार पूरे इलाके में फैल गया है, जिससे सांस लेने में परेशानी हो रही है। दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने का प्रयास कर रहे हैं और पानी की बौछारें डाल रहे हैं। हालांकि, आग की तीव्रता और ज्वलनशील सामग्री के कारण उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। आसपास के क्षेत्रों में भी सतर्कता बरती जा रही है और लोगों को दूर रहने की सलाह दी गई है। आग लगने की सूचना मिलते ही तत्काल दमकल विभाग को सूचित किया गया। कई दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंची और बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया। कंपनी के भीतर मौजूद सभी कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है।

रविदास मेहरोत्रा के घर में अपने ही कर्मचारी ने चोरी कर ली

लखनऊ में सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा के घर चोरी की घटना हुई है। इसकी जानकारी तब हुई जब रविदास मेहरोत्रा ने घर की इमरजेंसी चाबी से दरवाजा खोला। घर के अंदर रखा कंप्यूटर और आईफोन गायब मिला। सीसीटीवी फुटेज में देखने के बाद चोरी की घटना का खुलासा हुआ, जिसमें सपा विधायक के सोशल मीडिया कर्मचारी ने ही घर में चोरी की। जो विधायक का ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक, व्हाट्सएप आदि अपडेट करता था। इस संबंध में थाने में तहरीर देकर विधायक ने मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने संगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मोबाइल नंबर भी सर्विलांस पर लगा दिया गया है। मामला हुसैनगंज थाना क्षेत्र का है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ के हुसैनगंज थाना अंतर्गत रॉयल होटल-4 के फ्लैट नंबर 31 और 32 में सपा विधायक का निवास है। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट देखने के लिए अरिहंत जैन को रखा था, जो फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप आदि पर एक्टिव रहते हुए विधायक की जानकारी अपडेट करता था। बीते 21 और 22 मई की रात को अरिहंत जैन अचानक गायब हो गया। सोशल मीडिया अकाउंट देखने के लिए अरिहंत जैन को विधायक ने एक आईफोन और दो कंप्यूटर सिस्टम मुहैया कराया था। रात में 21 और 22 की रात में विधायक ने जब फोन करके संपर्क करने का प्रयास किया, तो बातचीत नहीं हो पाई। कभी फोन स्विच ऑफ तो कभी ऑन होने के बाद भी बातचीत नहीं होती थी।

धर्मेंद्र को पद्म विभूषण से किया सम्मानित

आज 25 मई को दिल्ली में आयोजित पद्म अवॉर्ड समारोह में बॉलीवुड के 'ही-मैन' धर्मेंद्र को मरणोपरांत पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये सम्मान उनकी पत्नी हेमा मालिनी को प्रदान किया। इस इमोशनल पल में उनकी बेटी अहाना देओल भी मौजूद थीं और अवॉर्ड मिलते वक्त वो रो पड़ीं और हेमा मालिनी इमोशनल नजर आईं। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो ऑफ इंडिया ने X पर एक वीडियो शेयर किया जिसमें अहाना देओल को इमोशनल होते देखा जा सकता है। जब हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की तरफ से ये सम्मान स्वीकार किया तो पूरे हॉल में एक इमोशनल माहौल था। अहाना के आंसू उन लाखों लोगों की भावनाओं को बयान कर रहे थे जो धर्मेंद्र को अपना प्रिय स्टार मानते थे। साथ ही, PIB के पोस्ट में धर्मेंद्र को हिंदी सिनेमा के सबसे बहुमुखी और सफल एक्टर में से एक बताया गया जिन्होंने 300 से ज्यादा फिल्मों में काम करके भारतीय सिनेमा पर एक अमिट छाप छोड़ी। ये पद्म विभूषण उनके छह दशकों से ज्यादा के शानदार फिल्मी सफर को श्रद्धांजलि है। अवॉर्ड लेने से पहले HT संग खास बातचीत में जब हेमा मालिनी से पूछा गया कि इस बड़े मौके पर सनी देओल और बॉबी देओल कहां हैं, तो उन्होंने बताया, "सनी, बॉबी और परिवार के सभी बच्चे इस समय मुंबई में हैं, लेकिन वह सब इस सम्मान से बेहद खुश और गौरवान्वित हैं। हम सभी जानते हैं कि यह हमारे पूरे परिवार के लिए कितना बड़ा और ऐतिहासिक पल है। धर्मेंद्र जी की विरासत हमेशा हमारे साथ रहेगी।" बता दें, एक्टर धर्मेंद्र का 24 नवंबर 2025 को मुंबई में उनके घर पर निधन हो गया था। इससे पहले सांस लेने में तकलीफ के बाद उन्हें ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था लेकिन 12 नवंबर को उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। उनका अंतिम संस्कार मुंबई के पवन हंस श्मशान घाट में हुआ था। देओल भाइयों ने बांद्रा में ताज लैंड्स एंड में एक प्रार्थना सभा रखी थी और हेमा मालिनी ने दिल्ली में अलग से प्रार्थना सभा आयोजित की थी।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1
प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़
ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

भारत-अमेरिका रिश्तों पर ट्रंप का बड़ा बयान बोले- पीएम मोदी के बड़े फैन हैं

दिल्ली में आयोजित अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन कॉल पर भारत-अमेरिका संबंधों को पहले से ज्यादा मजबूत बताया और पीएम नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की।कार्यक्रम में विदेश मंत्री एस. जयशंकर, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और संगीतकार ए. आर. रहमान भी शामिल हुए, जहां भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी और ट्रेड डील पर चर्चा हुई।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

24 मई को जब भारत में अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस मनाया जा रहा था। प्रेसिडेंट ट्रंप भी इस इवेंट से फोन कॉल पर जुड़े। इस इवेंट का एक वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर माइक पर फोन लगाकर कहते हैं एक स्पेशल गेस्ट का कॉल आया है। ट्रंप ने कहा कि मैं बस यह कहना चाहता हूं कि आप लोग ग्रेट हैं। हम भारत के जितने करीब आज हैं, उतने पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर हमारे देश पर 100% भरोसा कर सकता है। इस साल 4 जुलाई को अमेरिका अपनी आजादी के 250 साल पूरे कर लेगा। इस खास मौके पर दिल्ली में अमेरिकी दूतावास में एक इवेंट ऑर्गेनाइज किया गया था। इसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो भी मौजूद थे जो अभी भारत दौरे पर आए हुए हैं। इस वक्त चार दिवसीय भारत दौरे पर हैं वो। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर की स्पीच से पहले प्रेसिडेंट डोनल्ड ट्रंप का कॉल आया। उन्होंने कहा सर्जियो गोर मैं चाहता हूं कि आप अमेरिका की तरफ से अच्छी स्पीच दें क्योंकि आप भारत में हमारे देश के रिप्रेजेंटेटिव हैं। भारत को कभी भी जरूरत पड़े तो अमेरिका उसके साथ खड़ा रहेगा। मैं पीएम मोदी का बहुत बड़ा फैन हूं। यह वीडियो अमेरिकी दूतावास ने एक्स हैंडल से शेयर किया। फोन कॉल पर डोन्ड ट्रंप ने मार्को रूबियो की भी तारीफ की। उन्होंने बताया कि विदेश मंत्री की भूमिका में रूबियो अच्छा काम कर रहे हैं। ट्रंप की कॉल के बाद सर्जियो ने अपनी स्पीच में राष्ट्रपति की बात को सपोर्ट किया। बोले यह भारत अमेरिका के रिश्ते का नया दौर है। सर्जियो गर ने 5 महीने पहले ही भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में कार्यभार संभाला था। वे राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी माने जाते हैं। उन्होंने अपनी स्पीच में बताया कि भारत अमेरिका के बीच एक अंतरिम ट्रेड डील पर बातचीत चल रही है। जल्द ही इस डील के लॉक होने की पूरी-पूरी संभावना है। इस पर मार्को रूबियो ने भी एक इंटरव्यू के दौरान बताया था कि डील आखिरी स्टेज पर पहुंच चुकी है और कुछ ही हफ्तों के अंदर साइन भी हो जाएगी। लेकिन डील साइन होने के बारे में अभी कोई ताजा आधिकारिक जानकारी नहीं सामने आई है। जाहिर है इस इवेंट में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए। उन्होंने कहा, आज भारत और अमेरिका दोनों एक जैसे मजबूत इरादे के साथ दुनिया के सामने खड़े हैं। दोनों देशों में लोकतंत्र है। दोनों ओपन मार्केट रखते हैं। दोनों ही आजाद हैं। हमारी एक जैसी खूबियां अब हमारे फायदों और जरूरतों से जुड़कर और मजबूत हो गई है। जिससे हमारे पुराने मतभेद खत्म हो गए हैं। हमारी ये गहरी दोस्ती अब कई चीजों में साफ दिखती है। जैसे व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, नई तकनीकें। नई तकनीकें जैसे कि एआई और माइक्रो चिप्स। इवेंट में म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान ने भी परफॉर्मेंस दी। आगे एक और इवेंट भी है जब अमेरिका और भारत साथ आएंगे। 26 मई को क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक होने वाली है। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच इंडोपेसिफिक क्षेत्र की सुरक्षा और रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा होगी।

एलन मस्क की जासूसी करा रहे थे जिनपिंग?

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

14 मई 2026 बीजिंग चीन बीजिंग में आयोजित राजकीय भोज के लिए दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क खाने की टेबल पर बैठे थे। अजीबो-गरीब चेहरा बना रहे थे। कभी हंस रहे थे तो कभी आंखों से इस तरह का रिएक्शन दे रहे थे। उस वक्त मस्क का यह वीडियो दुनिया भर में वायरल हुआ था। लेकिन इस वीडियो में एक चीज गौर करने वाली थी। लाल कपड़ों में यह महिला वेटर जिसे चीन ने मस्क की आओ भगत के लिए लगाया था। लेकिन अब इसी महिला को लेकर सनसनीखेज खुलासा हुआ है। मस्क के पास चीन की एजेंट घूम रही थी। यह वेटर नहीं पीएलए की कमांडर है। मस्क की जासूसी करवा रहे थे। दावा किया जा रहा है कि यह महिला वेटर नहीं थी बल्कि एक जासूस थी जिससे एलन मस्क को खाना खिलाने की जिम्मेदारी दी गई थी। इस महिला वेटर के अलग-अलग वीडियो अब सामने आ रहे हैं। जहां अमेरिका के बड़े-बड़े उद्योगपति बैठे थे। खाना खा रहे थे। वहीं यह महिला अपने एक साथी के साथ बात करते हुए दिखाई देती है। दोनों के बीच कुछ देर तक बातचीत होती है और यही बातचीत चीन की नियत और नीति पर सवाल खड़े कर रही है। दरअसल इस महिला को जासूस बताने वाला कोई और नहीं बल्कि चीनी मूल की मानव अधिकार कार्यकर्ता, ब्लॉगर और लेखिका जेनिफर जेंग हैं। जो चीन के खिलाफ आवाज उठाने के लिए जानी जाती है। जेनिफर जेंग के मुताबिक मस्क को खाना खिलाने वाली यह महिला चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की सदस्य और पीएलई की बटालियन कमांडर है।

'Kap's Cafe' का मामला भी फिर चर्चा में पुलिस ने की अपील, अफवाह न फैलाये

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

मशहूर कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आई है। ऐसी खबर सामने आई थी कि कपिल शर्मा के अमृतसर स्थित घर के बाहर फायरिंग की गई है। लेकिन पुलिस का बयान इस मामले में सामने आ गया है। अमृतसर पुलिस ने ऐसी किसी प्रकार की घटना नहीं होने की बात कही है। आपको बता दें कि ऐसा बताया जा रहा था कि घटना अमृतसर के होली सिटी इलाके की है, जहां कपिल शर्मा का परिवार रहता है। ऐसा बताय जा रहा था कि इसी जगह कपिल शर्मा की बहना रहती है। लेकिन अब पुलिस ने जानकारी दी है कि फायरिंग की अफवाह गलत है। बताया जा रहा था कि बाइक पर सवार कुछ युवक घर के बाहर पहुंचे और अचानक गोलियां चलाकर फरार हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमृतसर पुलिस कमिश्नर ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर कई तरह की भ्रामक बातें फैलाई जा रही हैं। पुलिस ने इस संबंध में जानकारी शेयर की है। पुलिस ने कहा है कि मौके पर पहुंच कर जांच की गई है लेकिन इस प्रकार की कोई घटना नहीं हुई है। आपको बता दें कि कनाडा में मौजूद कपिल शर्मा के 'Kap's Cafe' का मामला भी फिर चर्चा में आ गया है। दरअसल, कनाडा में स्थित इस कैफे के बाहर पहले भी दो बार फायरिंग हो चुकी है। उन घटनाओं की जिम्मेदारी कुछ खालिस्तान समर्थक संगठनों ने ली थी।

ट्रंप का नया मिशन आखिर क्या है अब्राहम अकॉर्ड?

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका और ईरान के बीच में जारी तनाव को लेकर समझौता होने की बात चल रही है। इसी बीच एक नई खबर भी सामने आ रही है। आपको बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यह चाहते हैं कि ईरान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद और इस युद्ध के खत्म होने के बाद 'अब्राहम अकॉर्ड्स' का विस्तार किया जाए। ट्रंप चाहते हैं कि समझौता होने के बाद मुस्लिम देश अब्राहम अकॉर्ड का विस्तार करते हुए इजरायल को मान्यता दें। इस संबंध में एक्सियोस ने अमेरिकी अधिकारियों से बातचीत करते हुए एक रिपोर्ट में कहा है कि ट्रंप ने बीते शनिवार को इस मामले में अरब और दूसरे मुस्लिम देशों के नेताओं से बात भी की है। ईरान के साथ समझौता होने के बाद अब्राहम अकॉर्ड्स को लेकर बातचीत करने और उसका विस्तार करने के संबंद में ट्रंप ने बीते शनिवार को सऊदी अरब, UAE, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्त्र, जॉर्डन और बहरीन के नेताओं के साथ फोन पर बात की और उस फोन कॉल पर ईरान और इजरायल को लेकर चर्चा हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक फोन कॉल करने के पीछे ट्रंप का मुख्य उद्देश्य सऊदी-इजरायल के बीच समझौता कराना है। आपको बता दें कि उसी कॉल पर ट्रंप ने मुस्लिम देशों के नेताओं से कहा कि वो उम्मीद करते हैं कि ईरान के साथ युद्ध खत्म होने के बाद सभी मुस्लिम देश इजरायल के साथ अपने संबंधों को ठीक करने की पहल को आगे बढ़ाएंगे। हालांकि इस पहल को लेकर मुस्लिम देशों ने अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी है। आपको बता दें कि अब्राहम अकॉर्ड साल 2020 में हुआ एक अहम प्रोजेक्ट रहा है। इसका उद्देश्य अमेरिकी की मध्यस्ता में इजरायल को पश्चिम एशिया में मान्यता दिलाना है। इसके साथ ही अरब देशों के साथ इजरायल के संबंधों को अच्छा करना है। आपको बता दें कि इस प्रोजेक्ट में UAE और बहरीन सबसे पहले जुड़े थे।

ईरान ने दिए संकेत-होर्मुज में टोल लगा सकते हैं

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

ईरान ने संकेत दिए हैं कि वे होर्मुज में टोल लगा सकते हैं। हालांकि ईरान के विदेश मंत्रालय ने टैक्स लगाने की बात से इनकार किया है, लेकिन कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि ईरान फिलहाल टैक्स लगाने से भले ही इनकार कर रहा है, लेकिन भविष्य में टैक्स लगा सकता है। दरअसल ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोमवार को कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य का प्रबंधन तटीय देशों के अधिकार में है, यहां ईरान टोल नहीं वसूलेगा, लेकिन जो सेवाएं दी जाएंगी उनके लिए उचित मूल्य लेना सामान्य बात है। बाघेई ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बात कही। अमेरिका-ईरान के समझौते को लेकर चल रही सकारात्मक खबरों के बीच उन्होंने कहा, 'हम सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए स्ट्रेट के आस पास स्थित देशों के संपर्क में हैं।' संभावित समझौते को लेकर उन्होंने कहा कि अमेरिका की प्रतिबद्धताओं पर कोई गारंटी नहीं है और ईरान को किसी भी धमकी की परवाह नहीं है। उन्होंने कहा कि जो बदलाव हुए हैं उनमें खास बात पाकिस्तान के अलावा अन्य देशों का मध्यस्थता में शामिल होना रहा है, और बातचीत में लेबनान संघर्ष समाप्त करने से जुड़ा एक प्रावधान भी शामिल किया गया है। ईरानी प्रवक्ता ने यह भी बताया कि फिलहाल अमेरिका-ईरान वार्ता में परमाणु मुद्दे पर चर्चा नहीं हो रही है और ध्यान संघर्ष समाप्त करने पर केंद्रित है। बाघेई ने आशंका जताई कि इस्राइल इस बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। बाघेई ने ये बात ऐसे समय में की है जब भारत दौरे पर आए अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोमवार को कहा कि ईरान के साथ चल रही बातचीत को लेकर आज कोई बड़ी खबर सामने आ सकती है। उनके अनुसार रविवार को दोनों देशों के बीच समझौता नहीं हो पाया, लेकिन इसे बहुत बड़ी बात नहीं मानना चाहिए। रूबियो की मानें तो अमेरिका ने ईरान के सामने एक मजबूत प्रस्ताव रखा है। इसमें होर्मुज को खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर तय समय के अंदर गंभीर बातचीत करने की बात शामिल है।

संपादक की कलम से

भारत में लंबे समय से लंबित जातीय जनगणना एक बार फिर राष्ट्रीय बहस के केंद्र में है। आगामी जनगणना में जाति आधारित आंकड़े जुटाने की चर्चा ने राजनीति, समाज और प्रशासन—तीनों स्तरों पर नई बहस को जन्म दिया है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि 2026-27 की जनगणना में जातिगत आंकड़ों को शामिल किया जा सकता है।दरअसल, भारत जैसे विविधताओं वाले देश में केवल जनसंख्या गिनना पर्याप्त नहीं है। सामाजिक और आर्थिक असमानताओं की वास्तविक तस्वीर सामने लाने के लिए यह जानना भी जरूरी है कि किस वर्ग की स्थिति क्या है। आज भी शिक्षा, सरकारी नौकरियों, स्वास्थ्य सुविधाओं और आर्थिक अवसरों में जातीय असमानता स्पष्ट दिखाई देती है। ऐसे में जातीय जनगणना नीति निर्माण को अधिक यथार्थवादी बना सकती है।हालांकि इस मुद्दे का दूसरा पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। आशंका यह है कि जातीय आंकड़े राजनीतिक दलों के लिए केवल वोट बैंक की राजनीति का माध्यम न बन जाएं। भारत पहले ही जातीय ध्रुवीकरण की चुनौती झेल रहा है। यदि आंकड़ों का उपयोग सामाजिक समरसता बढ़ाने के बजाय राजनीतिक लाभ के लिए हुआ, तो समाज में विभाजन और गहरा सकता है।यह भी सच है कि स्वतंत्रता के बाद सरकारों ने जाति आधारित आंकड़ों को सीमित रखने की कोशिश इसलिए की थी ताकि समाज धीरे-धीरे जातीय पहचान से ऊपर उठ सके। लेकिन सात दशकों बाद भी यदि आरक्षण, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और कल्याणकारी योजनाओं का आधार जाति ही है, तो अद्यतन आंकड़ों की आवश्यकता को पूरी तरह नकारा भी नहीं जा सकता।सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या जातीय जनगणना केवल संख्या गिनने तक सीमित रहेगी या इससे सामाजिक न्याय की दिशा में वास्तविक सुधार होंगे? यदि आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और संसाधनों का अधिक न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित किया जाए, तो यह लोकतंत्र को मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि इसका उपयोग केवल चुनावी समीकरण साधने के लिए हुआ, तो यह समाज को और अधिक खंडित कर देगा।भारत को आज ऐसी राजनीति की जरूरत है जो जाति की वास्तविकताओं को स्वीकार करे, लेकिन समाज को स्थायी रूप से जातीय खांचों में कैद न करे। जातीय जनगणना का उद्देश्य सामाजिक समानता होना चाहिए, न कि सामाजिक विभाजन। यही इस बहस की सबसे बड़ी कसौटी है।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का मोदी सरकार पर हमला

पेट्रोल-डीजल महंगाई और ट्रंप-मोदी संबंधों पर साधा निशाना

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पेट्रोल-डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों को लेकर केंद्र सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला।उन्होंने कहा कि महंगाई के लिए सरकार जिम्मेदार है और पीएम मोदी देश की अर्थव्यवस्था को संभालने के प्रति गंभीर नहीं दिख रहे।खरगे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी की तुलना करते हुए कहा कि एक दुनिया को और दूसरा देश को बर्बादी की ओर ले जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष का सरकार पर तीखा हमला, बोले-'दोनों नेताओं में समानता, डोनाल्ड ट्रंप दुनिया को तबाह कर रहे और पीएम नरेंद्र मोदी देश को बर्बादी की ओर ले जा रहे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस का कहना है कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के लिए सरकार ही जिम्मेदार है। साथ ही उन्होंने डोनाल्ड ट्रम्प और पीएम मोदी में समानता होने की भी बात कही है।देश में लगातार बढ़ते पेट्रोल-डीजल के दाम को लेकर कांग्रेस नरेंद्र मोदी सरकार पर लगातार हमलावर है। पिछले 10 दिनों में चौथी बार पेट्रोल-डीजल के दामों में बढ़ोतरी की गई है। जिससे पूरा विपक्ष सरकार से सवाल पूछ रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सरकार से सवाल पूछा है साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी में समानता भी बता दिया है। उन्होंने एक को दुनिया तबाह करने वाला तो दूसरे को देश बर्बाद करने वाला बता दिया। पेट्रोल डीजल के दाम में बढ़ोतरी पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि मैं यही कहूंगा कि पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में हुई बढ़ोतरी के लिए पीएम मोदी जी ही जिम्मेदार है। इसके अलावा उन्होंने पीएम पर कटाक्ष भी किया। मीडिया से बात करते हुए कहा कि पार्ले बिस्किट या चॉकलेट के जो विज्ञापन वे कर रहे हैं, उनसे यह साबित होता है कि वे देश की अर्थव्यवस्था को सुधारने के प्रति गंभीर नहीं हैं। आपक बता दें कि हाल ही में पीएम मोदी इटली के दौरे पर थे और वहां इटली की पीएम जियोर्जिया मेलोनी के साथ उन्होंने 'मेलोडी' चॉक्लेट को लेकर एक वीडियो बनाया था। जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। पिछले 10 दिनों में चार बार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं। अब तक चार बार की बढ़ोतरी के साथ पेट्रोल-डीजल 7 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा महंगा हो चुका है। आज यानी 25 मई सोमवार को पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपये और डीजल की कीमतों में 2.71 रुपये का इजाफा किया गया है। कई राज्यों में पेट्रोल के दाम 110 के करीब पहुंच गए हैं। पीएम नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में बोलते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जब लोगों में एक जैसी खूबियां होती हैं तो ऐसा ही होता है। एक दुनिया को तबाह कर रहा होता है, तो दूसरा देश को। उन्होंने कहा तो यही उन दोनों के बीच की असली समानता है। इसीलिए वे एक-दूसरे की तारीफ करते हैं। जैसा कि कहावत है-'तुम मेरी तारीफ करो, और मैं तुम्हारी करूंगा,' तो ये उनकी आपसी तारीफ है। दरअसल, ट्रंप ने हाल ही में कहा था कि पीएम मोदी का वे फैन हैं और अमेरिका भारत पर भरोसा कर सकता है।

गौरव भाटिया बोले- 'भस्मासुर राहुल गांधी'

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भाजपा नेता गौरव भाटिया ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते हुए उन पर टूलकिट पॉलिटिक्स फैलाने और केंद्र सरकार की स्थिरता के बारे में गैरजिम्मेदाराना टिप्पणियां करने का आरोप लगाया। भाटिया ने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है। ये टिप्पणियां राहुल गांधी के उस बयान के बाद आईं, जो उन्होंने कांग्रेस के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक के दौरान दिया था, जहां उन्होंने दावा किया था कि यदि मौजूदा आर्थिक स्थिति बनी रहती है, तो सरकार अगले साल तक नहीं टिक पाएगी। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्ष के नाम से सामने आए हालिया राजनीतिक बयानों पर बोलते हुए भाटिया ने सरकार के गिरने के दावों को बार-बार दोहराई जाने वाली गलत सूचना बताया। उन्होंने कहा कि कल एक और 'विवाद' सामने आया, जिसमें कहा जा रहा है कि यह सरकार, जो पूरी ताकत से देश की सेवा कर रही है, एक साल के भीतर गिर जाएगी। मैं सबसे पहले यह कहना चाहूंगा कि 'भस्मासुर राहुल गांधी' – हमें नहीं पता था कि भस्मासुर ज्योतिषी भी बन जाएंगे। भाटिया ने राहुल गांधी की टिप्पणियों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें विरोधाभासी और भ्रम पैदा करने का प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में एक बैठक में कुछ टिप्पणियां कीं और बाद में बाहर एक अलग बयान जारी किया, जिस पर चर्चा हो रही है। इसे दुर्भाग्यिपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व वर्तमान में आर्थिक मंदी और संकट का सामना कर रहा है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मौजूदा नेतृत्व में भारत स्थिर बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं, यह वैश्विक संकट का समय है और दुनिया भर के कई देश आर्थिक अस्थिरता का सामना कर रहे हैं। उनकी अर्थव्यवस्थाएं काफी कमजोर हो गई हैं। वहीं दूसरी ओर, पिछले 85 दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने मजबूत लचीलापन दिखाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत और स्थिर बनी हुई है। भाटिया ने यह कहते हुए अपना भाषण समाप्त किया कि अस्थिरता पैदा करने के प्रयास विफल होंगे। उन्होंने कहा कि यदि राहुल गांधी का इरादा अराजकता फैलाना है, तो हमारा संकल्प भी भारत को और मजबूत बनाना है। आप चाहे जो भी कोशिश कर लें, लेकिन हम भी भारत को आगे ले जाने के लिए उतने ही दृढ़ हैं।

अधिकारी को मुख्यमंत्री का सचिव बनाए जाने पर सीएम वीडी सतीशन ने सफाई दी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केरल की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बवाल मच गया है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी रतन यू केलकर को अपना सेक्रेटरी बना लिया है। अब विपक्षी दलों ने इसे लेकर तीखा हमला बोल दिया है। सवाल उठ रहे हैं कि क्या चुनाव निष्पक्ष थे या फिर कोई सौदा हुआ? रतन केलकर, जो 2003 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, हाल ही तक केरल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) थे। उन्होंने चुनाव से पहले वोटर लिस्ट की खास रिवीजन भी देखी थी। उसी के बाद कांग्रेस नीत यूडीएफ ने भारी बहुमत से 102 सीटें जीतकर सरकार बनाई। अब चुनाव खत्म होते ही उन्हें सीएम का सेक्रेटरी बना दिया गया। यह फैसला शनिवार को आधिकारिक तौर पर जारी हुआ और रविवार को उन्होंने चार्ज भी संभाल लिया। सीपीआई(एम) और भाजपा दोनों ने इस नियुक्ति को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। सीपीआई(एम) के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने कहा कि यह फैसला कांग्रेस की राष्ट्रीय नेतृत्व को मुश्किल में डाल रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार ने अपने तत्कालीन सीईओ मनोज अग्रवाल को चीफ सेक्रेटरी बनाया था, तो राहुल गांधी ने खुद ट्वीट करके कहा था- 'चोर बाजार में जितनी बड़ी चोरी, उतना बड़ा इनाम।' अब केरल में वैसी ही बात होने पर कांग्रेस चुप क्यों है?

भाजपा नेता वी मुरलीधरन ने पूछा- क्या केलकर को इनाम मिला क्योंकि उन्होंने यूडीएफ को 100 से ज्यादा सीटें जिताने में मदद की? सतीशन ने चुनाव से पहले कहा था कि अगर 100 सीटें नहीं आईं तो वे राजनीति छोड़ देंगे। इतना सटीक अनुमान कैसे लगा? क्या चुनाव आयुक्तों से कोई जानकारी मिली थी? उधर, भाजपा आईटी सेल चीफ अमित मालवीय और के सुरेंद्रन ने भी राहुल गांधी से जवाब मांगा है कि उनका नैतिक गुस्सा अब कहां गया? मुख्यमंत्री वीडी सतीशन और कांग्रेस नेताओं ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। सतीशन ने साफ कहा - यहां प्रक्रिया के नियमों का कोई उल्लंघन नहीं हुआ है। क्या आरोप है? वह यहां मुख्य चुनाव अधिकारी थे और अब चुनाव खत्म हो गया है।गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने केलकर की तारीफ करते हुए कहा कि वे एक ईमानदार और कुशल अधिकारी हैं। कई विभाग संभाल चुके हैं। यह सामान्य प्रशासनिक फैसला है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इसे बंगाल वाली घटना से जोड़ना गलत है। केलकर ने दिसंबर 2024 से सीईओ का पद संभाला था। अब उनकी जगह नया अधिकारी नियुक्त करने के लिए राज्य सरकार को चुनाव आयोग को पैनल भेजना होगा।

भीषण हीटवेव बनी चेतावनी, जलवायु परिवर्तन और अंधाधुंध विकास का खतरनाक असर सामने आया

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं। हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर "कंक्रीट के जंगल" बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे "अर्बन हीट आइलैंड" प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती। दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है।

विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिर से बन सकती है चैंपियन

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के लीग मुकाबले खत्म हो चुके हैं, जहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 14 में से 9 मैच जीतकर पहले स्थान पर जगह बनाई है। गुजरात टाइटंस ने भी 14 में से 9 मुकाबले जीते हैं और वह 18 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, लेकिन नेट रन रेट के मामले में वह आरसीबी से थोड़ा पीछे रह गई। सनराइजर्स हैदराबाद तीसरे स्थान पर है, जबकि राजस्थान रॉयल्स 14 में से 8 मुकाबले जीतकर चौथे स्थान पर रही। अब इन चार टीमों के बीच आईपीएल खिताब की जंग खेली जाएगी। मतलब 10 टीमों में से अब सिर्फ चार टीमें ही खिताब की रेस में शामिल हैं। लेकिन आईपीएल में एक संयोग ऐसा बन रहा है, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फिर से खिताब जीतती हुई नजर आ सकती है। आपको बता दें कि आईपीएल के इतिहास में आज तक सिर्फ एक ही बार ऐसा हुआ है, जब किसी टीम ने अंक तालिका में तीसरे या चौथे स्थान पर रहते हुए खिताब जीता हो। आईपीएल 2008 से 2010 तक सेमीफाइनल वाला फॉर्मेट से खेला गया था, लेकिन 2011 से प्लेऑफ फॉर्मेट शुरू हुआ। आईपीएल के 18 साल के इतिहास में आज तक सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है, जब सनराइजर्स हैदराबाद ने एलिमिनेटर मुकाबला खेलते हुए खिताब पर कब्जा किया। बाकी 17 सीजन में ऐसा नहीं हुआ कि कोई टीम एलिमिनेटर खेलते हुए चैंपियन बनी हो। इसके अलावा आईपीएल के 18 साल के इतिहास में सिर्फ दो ही बार ऐसा हुआ है, जब किसी टीम के बल्लेबाज ने ऑरेंज कैप जीती हो और उसकी टीम भी चैंपियन बनी हो। साल 2014 में रॉबिन उथप्पा ने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए बल्लेबाजी करते हुए सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाए थे और केकेआर चैंपियन बनी थी।

'मैं गेल का रिकॉर्ड तोड़ दूंगा'

दोहरा शतक ठोकने की तैयारी में है वैभव सूर्यवंशी

IPL से बाहर होने के बाद इमोशनल हुए ऋषभ पंत

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) का सफर बेहद निराशाजनक रहा है। टीम 10वें पायदान पर रहकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। इस खराब सीजन के बाद कप्तान ऋषभ पंत का फैंस को शुक्रिया अदा करते हुए एक इमोशनल वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इसके साथ ही लखनऊ की टीम में लीडरशिप बदलने की अटकलें भी तेज हो गई हैं। इस सीजन में लखनऊ की टीम 14 में से सिर्फ 4 मैच ही जीत सकी। आईपीएल 2025 में सातवें नंबर पर रहने के बाद, इस साल टीम का प्रदर्शन और भी ज्यादा गिर गया। वायरल वीडियो में पंत काफी भावुक नजर आ रहे हैं। उन्होंने फैंस से कहा, 'आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया। यह एक बेहद मुश्किल सीजन रहा है और हमने बहुत कड़ी मेहनत की थी। हालात चाहे जैसे भी रहे, हमारा साथ देने के लिए धन्यवाद। हम एक टीम के रूप में वापसी करेंगे, बस एकजुट रहें।' इकाना स्टेडियम में पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद LSG के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट टॉम मूडी ने साफ शब्दों में कहा कि पंत कप्तानी के दबाव को नहीं झेल पा रहे हैं। मूडी ने कहा, 'एक कप्तान के तौर पर उनके लिए यह सीजन काफी चुनौतीपूर्ण रहा और नतीजे आपके सामने हैं। हमें सोचना होगा कि क्या इसी दबाव का असर उनकी बल्लेबाजी पर भी दिख रहा है।'

भारत का अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रविवार को शानदार प्रदर्शन जारी

भारत का अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में रविवार को शानदार प्रदर्शन जारी रहा जिसमें दूसरे दिन मानसी लाठेर, काजल और सुमित ने स्वर्ण पदक जीतकर दबदबा कायम रखा। मानसी ने 68 किग्रा स्वर्ण पदक मुकाबले में जबरदस्त प्रदर्शन किया और उज्बेकिस्तान की फिरूजा एसेनबाएवा को 14-1 से करारी शिकस्त दी। काजल का 76 किग्रा फाइनल में प्रदर्शन भी शानदार रहा। उन्होंने किर्गिस्तान की आइझारकिन झानीबेकोवा को 10-0 से हराया। वहीं ग्रीको-रोमन पहलवान सुमित ने 63 किग्रा वर्ग का खिताब जीता। उन्होंने उज्बेकिस्तान के ओजोदबेक खलीलबोएव को 12-2 से हराया। इन तीन स्वर्ण पदक के अलावा भारतीय दल ने दो रजत और तीन कांस्य पदक भी जीते। स्वीटी को वियतनाम की न्गोक एल से 5-7 से हार मिली और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नेहा ने भी 59 किग्रा वर्ग फाइनल में जोरदार संघर्ष किया, लेकिन उज्बेकिस्तान की लायलोखोन सोबिरोवा से 5-9 से हार गईं। इसके साथ ही भारत को दिन का दूसरा रजत पदक मिला। इस बीच अहिल्या एस शिंदे ने कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने किर्गिस्तान की अरूके कादिरबेक किजी को 13-2 से करारी शिकस्त दी। ग्रीको-रोमन वर्ग में नीरज पटेल ने 55 किग्रा वर्ग के मुकाबले में बेहतरीन तकनीक का प्रदर्शन किया।

श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया के नए टी20 कप्तान के तौर पर देखा जा रहा था

श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की टीम आईपीएल के इस सीजन से बाहर हो चुकी है। टीम ने अंक तालिका में नंबर 5 पर फिनिश किया है। टीम के पास एक मौका था, लेकिन राजस्थान रॉयल्स की जीत ने वो खत्म कर दिया। इस बीच टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर को डबल झटका लग सकता है। जो उम्मीदें पिछले कुछ दिनों से लगाई जा रही थी, उन पर पानी फिर सकता है। हम बात कर रहे हैं टीम इंडिया के टी20 कप्तान को लेकर। चर्चा थी कि श्रेयस नए कप्तान हो सकते हैं। पंजाब किंग्स ने इस साल के आईपीएल में शानदार आगाज किया था। टीम ने अपने छह मैच जीतकर 13 अंक हासिल कर लिए थे। एक मैच बारिश की वजह से नहीं हो पाया था, उसका अंक मिला था। लेकिन इसके बाद हार का जो सिलसिला शुरू हुआ, उसने रुकने का ही नाम नहीं लिया। टीम ने अपना आखिरी लीग मैच जीतकर भले ही 15 अंक हासिल कर लिए हों, लेकिन उससे काम नहीं बना। जब श्रेयस अय्यर और उनकी आईपीएल टीम लगातार जीत के रथ पर सवार थी, तब ये उम्मीद लगाई जा रही थी कि श्रेयस अय्यर टीम इंडिया के नए टी20 कप्तान हो सकते हैं। दरअसल वे जिस तरह से टीम को संभाल रहे थे और खुद रन बना रहे थे, वे कप्तान के प्रबल दावेदार माने जा रहे थे। लेकिन अचानक बाजी पलटती हुई सी दिख रही है। ना जाने क्यों ऐसा हुआ कि श्रेयस की टीम मैच हारती चली गई और फिर उसकी टॉप 4 में वापसी हो ही नहीं पाई। ऐसे में उनका कप्तानी का दावा कमजोर पड़ता हुआ दिख रहा है। यानी टीम तो आईपीएल जीतने से दूर रह ही गई, भारतीय टीम की कप्तानी का दावा भी कमजोर पड़ रहा है। इस बीच अभी टीम इंडिया जल्द टी20 इंटरनेशनल के लिए मैदान में नहीं उतर रही है, उसमें थोड़ा वक्त है, लेकिन रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि सूर्यकुमार यादव अब ज्यादा दिनों तक भारतीय टीम के कप्तान नहीं रहेंगे। अगर ऐसा होता है तो फिर इसके लिए शुभमन गिल अचानक सामने आ गए हैं।

दिल्ली मेट्रो की लड़ाई वायरल, भड़के सोशल मीडिया यूजर्स

बहस के बाद लड़की ने जड़ा बुजुर्ग को थप्पड़

आए दिन दिल्ली मेट्रो में लड़ाई-झगड़े या बहस के वीडियो सामने आते रहते हैं. एक ऐसा ही वीडियो चर्चमा में है, जिसमें एक लड़की सीट को लेकर एक शख्स को थप्पड़ लगाती दिख रही है.

दिल्ली मेट्रो में लड़ाई-झगड़े से जुड़े वीडियो अक्सर वायरल होते रहते हैं. आए दिन कोई बहस, डांस या झगड़े का वीडियो सामने आते रहते हैं. इन दिनों ऐसा ही एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है, जिसमें एक महिला ने मेट्रो में सफर कर रहे एक शख्स को थप्पड़ लगा दिया.

सोशल मीडिया पर दिल्ली मेट्रो का एक वीडियो घूम रहा है. इसमें सीट को लेकर एक महिला और एक पुरुष के बीच तीखी बहस होती दिखाई दे रही है. देखते ही देखते यह बहस हाथापाई में तब्दील हो गई. जब महिला ने शख्स को थप्पड़ जड़ दिया. इस घटना का किसी यात्री ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया. उसके बाद से यह वायरल हो रहा है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर @ghar-kekalesh नाम के हैंडल से एक वीडियो शेयर किया गया है. इसका कैप्शन है - दिल्ली मेट्रो के अंदर सीट को लेकर लड़की और अंकल के बीच कलेश. इस वीडियो में मेट्रो में सीट को लेकर एक लड़की और सीट पर बैठे शख्स के बीच तीखी बहस होती दिखाई देती है. फिर अचानक से लड़की उस आदमी को थप्पड़ लगा देती है.

इसके बाद वो शख्स भी खड़ा हो जाता है और लड़की को मारने के लिए हाथ उठाता है, फिर हाथ रोक लेता है. दोनों के बीच में एक महिला बीच-बचाव करती दिखाई देती है. लड़की लगातार ऊंची आवाज में सामने बैठे शख्स से बहस करती रह जाती है. इसके बाद उस शख्स को आसपास के लोग समझाकर बैठा देते हैं और लड़की आगे बढ़ जाती है.

टकराव हाथापाई में तब्दील

जैसे-जैसे लड़की का गुस्सा बढ़ता गया, टकराव हाथापाई में तब्दील हो गई. एक समय ऐसा भी आया जब महिला ने बहस के दौरान पुरुष को थप्पड़ मार दिया. पुरुष तुरंत अपनी सीट से उठा और उसकी ओर बढ़ा, जिससे स्थिति और भी बिगड़ गई. इस वीडियो पर काफी लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. एक शख्स ने लिखा है - दिल्ली मेट्रो को ऐसे झगड़ों के लिए सख्त नियम बनाने चाहिए.

स्नेक शो में सपेरे के हाथ से भागा सांप, टूरिस्ट को डसा

इजिप्ट में के एक रिसोर्ट में हाल ही में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई. इजिप्ट के पिरामिड देखने और वहां घूमने आए एक जर्मन टूरिस्ट की विचित्र तरीके से मौत हो गई. वह शख्स रिसोर्ट में सांप के करतब (स्नेक शो) देख रहा था. यह स्नेक शो उसके टूर पैकेज के एक एक्सक्लूसिव ऑफर का हिस्सा था. करतब के दौरान जब सपेरा सांप को टूरिस्ट के नजदीक ले गया तो वह फिसकर उसके पैंट में घुस गया और उसे काट लिया. न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने बताया कि एक जर्मन पर्यटक की तब मौत हो गई.

अपर कास्ट या फिर 80 लाख की कमाई जरूरी

क्या आज भी शादी में प्यार से ज्यादा जाति और पैसा मायने रखते हैं? हाल ही में सामने आई एक घटना ने इसी सवाल को फिर से चर्चा में ला दिया है. एक पढ़ी-लिखी और सफल महिला ने अपनी शादी के लिए ऐसी शर्त रख दी, जिसने आधुनिक सोच पर सवाल खड़े कर दिए- या तो दूल्हा 'उच्च जाति' का हो, वरना उसकी कमाई 80 लाख रुपये सालाना होनी चाहिए. इस एक शर्त ने दिखा दिया कि आज भी समाज में जाति और स्टेटस की सोच कितनी गहराई से जुड़ी हुई है, भले ही हम खुद को कितना भी प्रगतिशील क्यों न मान लें.

कहानी एक 32 साल की महिला की है, जो अपना खुद का फैशन बिजनेस चलाती है. वह एक अच्छे और पढ़े-लिखे परिवार से आती है. उसके पिता आईपीएस अधिकारी हैं और मां एक टीचर हैं. यानी बाहर से देखने पर वह एक आधुनिक और प्रगतिशील सोच वाले परिवार की लगती है. लेकिन जब बात शादी की आई, तो उसने दूल्हे के लिए एक खास शर्त रखी.

कपल ने महंगाई के डर से चुना 'नो किड्स' फॉर्मूला

आज के समय में बढ़ती महंगाई और ऊंचे खर्चों ने लोगों की जिंदगी के बड़े फैसलों को भी बदल दिया है. जहां पहले शादी के बाद बच्चा होना एक सामान्य बात मानी जाती थी, वहीं अब कई कपल इस पर दोबारा सोच रहे हैं.

गुरुग्राम के एक कपल ने भी कुछ ऐसा ही फैसला लिया है, अच्छी खासी कमाई होने के बावजूद उन्होंने बच्चा न करने का निर्णय लिया, और इसकी वजह जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे. गुरुग्राम में रहने वाले एक दंपत्ति ने बच्चा न करने का फैसला लिया है, और इसकी वजह है बढ़ती महंगाई और खर्चे. इस दंपत्ति की सालाना कमाई करीब 36 लाख रुपये है, जो सुनने में काफी अच्छी लगती है. पति हर महीने लगभग 2 लाख

रुपये कमाते हैं और पत्नी 1 लाख रुपये कमाती हैं. लेकिन इसके बावजूद उनका कहना है कि वे अभी बच्चे का खर्च नहीं उठा सकते.

इस बात को उनके रिश्तेदार हर्ष गुप्ता ने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसके बाद यह मुद्दा चर्चा में आ गया. उन्होंने बताया कि कागजों पर तो यह दंपत्ति आर्थिक रूप से मजबूत लगता है, लेकिन असल जिंदगी में खर्च इतने ज्यादा हैं कि वे परिवार बढ़ाने से बच रहे हैं. कपल का कहना है कि गुरुग्राम जैसे शहर में एक अच्छा घर खरीदना बहुत मुश्किल हो गया है. उन्होंने बताया कि वे एक ठीक-ठाक 1BHK फ्लैट भी नहीं खरीद पा रहे हैं. ऐसे में उनका सवाल है कि जब वे खुद के लिए सही जगह नहीं ले पा रहे, तो बच्चे के लिए बेहतर माहौल कैसे देंगे. इसके अलावा, बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी बहुत ज्यादा है.

प्राइवेट स्कूलों की फीस हर महीने करीब 35,000 से 40,000 रुपये तक हो सकती है, जो उनके लिए उनके लिए संभालना मुश्किल है. यही कारण है कि उन्होंने अभी बच्चा न करने का फैसला लिया है. आजकल ऐसे कई शहरी कपल हैं, जो डबल इनकम, नो किड्स यानी DINK लाइफस्टाइल अपना रहे हैं.

'डॉन 3' छोड़ने की एक्टर को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी

भारतीय सिनेमा जगत से एक बेहद चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज (FWICE) ने बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह के खिलाफ एक कड़ा कदम उठाते हुए उन पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह विवाद फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डॉन 3' से रणवीर सिंह के अचानक बाहर होने के बाद शुरू हुआ। पिछले हफ्ते इस मामले को गंभीरता से लेते हुए फेडरेशन ने एक आंतरिक बैठक बुलाई थी, जिसके बाद सोमवार को मीडिया के सामने इस बड़े फैसले की घोषणा की गई। FWICE ने फिल्म उद्योग के लिए एक असहयोग निर्देश जारी किया है, जिसके तहत इंडस्ट्री के सभी लोगों और तकनीशियनों को रणवीर सिंह के साथ काम न करने की हिदायत दी गई है। खबरों के मुताबिक, रणवीर सिंह 'डॉन 3' की शूटिंग शुरू होने के ठीक पहले इस प्रोजेक्ट से पीछे हट गए थे, जिसके बाद मेकर्स और फेडरेशन के बीच तनाव बढ़ गया। फिल्म का निर्माण फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी के बैनर 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' के तहत किया जा रहा है। इस विवाद पर FWICE के मुख्य सलाहकार अशोक पंडित ने अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने इस पूरे मामले को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि शूटिंग के महज 10 दिन पहले किसी प्रोजेक्ट को छोड़ देना एक बहुत ही गलत चलन है और इसे कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने साफ किया कि यह कड़ा फैसला फिल्म उद्योग के सामूहिक हितों की रक्षा करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए लिया गया है। रणवीर सिंह के इस तरह फिल्म छोड़ने के बाद फेडरेशन के अध्यक्ष बीएन तिवारी, मुख्य सलाहकार अशोक पंडित, मानद महासचिव अशोक दुबे और कोषाध्यक्ष गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव सहित शीर्ष नेतृत्व ने एक महत्वपूर्ण आंतरिक बैठक की। इस बैठक के बाद ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इंडस्ट्री को इस फैसले की जानकारी दी गई। रिपोर्ट्स के अनुसार यह विवाद पहले 'प्रोड्यूसर्स गिल्ड ऑफ इंडिया' के पास भी पहुंचा था, जहां वरिष्ठ निर्माताओं ने दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश की थी। एक्सेल एंटरटेनमेंट का दावा है कि उन्होंने फिल्म के प्री-प्रोडक्शन और अन्य तैयारियों पर भारी-भरकम राशि खर्च की थी और रणवीर के अचानक हटने से उन्हें बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच समझौते को लेकर हुई बातचीत का कोई अंतिम नतीजा नहीं निकल सका।इस पूरे विवाद और फिल्म में हो रही देरी पर प्रतिक्रिया देते हुए निर्देशक फरहान अख्तर ने 'द हॉलीवुड रिपोर्टर

इंडिया' को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ बदला है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में आपको हमेशा अप्रत्याशित चीजों के लिए तैयार रहना चाहिए और जब तक आपकी फिल्म वास्तव में कैमरे पर दर्ज न हो जाए, तब तक किसी भी चीज को पक्का नहीं माना जा सकता। आपको बता दें कि फरहान अख्तर ने आखिरी बार साल 2011 में एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'डॉन 2' का निर्देशन किया था, जिसमें शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा और बोमन ईरानी मुख्य भूमिकाओं में थे। वहीं दूसरी ओर रणवीर सिंह को हाल ही में निर्देशक आदित्य धर की जासूसी थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर: द रिवेंज' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे कलाकार शामिल थे।

यूपी स्वास्थ्य विभाग में बड़ा भर्ती घोटाला एक ही नाम से कई लोग कर रहे नौकरी

उत्तर प्रदेश स्वास्थ्य विभाग में डॉर्क रूम सहायक भर्ती में बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है, जहां एक ही नाम से कई लोग नौकरी करते पाए गए।जांच में सामने आया कि मानव संपदा पोर्टल और चयन सूची में भारी गड़बड़ी है, जिसमें दर्जनों फर्जी नियुक्तियों के जरिए सरकार को करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया जा रहा है।मामले पर अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष ने जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

'सुधीर कुमार ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से डॉर्क रूम सहायक की परीक्षा पास की। वर्ष 2016 में स्वास्थ्य महानिदेशालय से नियुक्ति पत्र जारी हुआ, लेकिन इन दिनों प्रदेश में छह सुधीर कुमार नौकरी कर रहे हैं। हर साल करोड़ों रुपये का चूना लगा रहे हैं। इस तरह के दो दर्जन से ज्यादा मामले सामने आए हैं। यह खेल स्वास्थ्य महानिदेशालय और मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय की मिलीभगत से हुआ है।'

स्वास्थ्य विभाग में डॉर्क रूम सहायक की भर्ती में भी फर्जीवाड़ा हुआ है। यूपीएसएसएससी से जारी परीक्षा परिणाम के पास स्वास्थ्य महानिदेशालय से जारी सूची और मानव संपदा पोर्टल पर कार्यरत कर्मियों की सूची की पड़ताल में यह बात सामने आई है। अमर उजाला ने 36 नाम की पड़ताल की। इसमें 15 का नाम सूची में है। सुधीर की तरह की तरह ही अंशुल के नाम पर चार, मनोज सिंह, रजनीकांत के नाम पर तीन-तीन लोग नौकरी कर रहे हैं। इसी तरह धीरज कुमार सिंह, कीर्ति गुप्ता, नवनीत यादव, पवन कुमार, प्रदीप कुमार, पुष्पेंद्र कुमार, राहुल कुमार, सर्वेश कुमार, सौरव कुमार, विनीत सिंह के दो-दो लोग नौकरी कर रहे हैं। किसी के पिता के नाम की स्पेलिंग अलग है तो किसी के जन्म दिन में हेरफेर किया गया है। मानव संपदा पोर्टल पर इन सभी के कार्यभार ग्रहण करने की तिथि, वेतन खाता संख्या और ईएचआरएमएस आईडी अलग-अलग है। वर्ष 2015 में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने 355 पद पर डॉर्क रूम सहायक के लिए आवेदन मांगे। 90 नंबर की परीक्षा और 10 नंबर का साक्षात्कार था। आयोग ने परीक्षा परिणाम जारी कर स्वास्थ्य महानिदेशालय को भेजा। काउंसिलिंग के जरिए चयनितों को जिले आवंटित कर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय भेजे गए। इसमें 16 जून 2016 को तत्कालीन महानिदेशक सुनील श्रीवास्तव और निदेशक पैरामेडिकल एससी त्रिपाठी के हस्ताक्षर से 272 लोगों की सूची जारी की गई। इसी तरह 15 जुलाई 2016 को 65 लोगों की सूची जारी की गई है। 18 लोगों ने नियुक्ति में हिस्सा नहीं लिया। मानव संपदा पोर्टल पर 36 लोगों का सूची से मिलाकर किया गया। यहां मौजूद डाटा और इस सूची का मिलान करने पर पता चला कि एक ही नाम से अलग- अलग लोग नौकरी कर रहे हैं। पूरे मामले की विस्तृत जांच हो तो प्रदेश में 337 की जगह पांच सौ से अधिक लोग नौकरी करते मिल सकते हैं। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अमित कुमार घोष ने कहा कि मामला पुराना है। जानकारी में नहीं है। गलत नियुक्ति हुई है तो जांच कराई जाएगी। सभी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। विभाग में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

यूपी में फार्मर रजिस्ट्री में 2.28 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश तेजी से डिजिटल कृषि व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है। किसानों को सरकारी योजनाओं का पारदर्शी और त्वरित लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश में चल रहे फार्मर रजिस्ट्री अभियान ने अब बड़े स्तर पर परिणाम देना शुरू कर दिया है। राज्य सरकार की सक्रिय पहल के चलते अब तक 2.28 करोड़ से अधिक किसानों का पंजीकरण किया जा चुका है, जो केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 79.10 प्रतिशत कार्य पूरा है। प्रदेश में फार्मर रजिस्ट्री अभियान की शुरूआत 5 नवंबर 2024 से की गई थी। केंद्र सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के लिए 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान प्रगति के अनुसार अब तक 2,28,36,658 किसानों का नामांकन किया जा चुका है, जबकि लगभग 60,33,837 किसानों का पंजीकरण अभी शेष है। वर्तमान प्रगति के आधार पर किसानों की आईडी निर्माण प्रक्रिया 20 अगस्त 2026 तक पूर्ण होने का अनुमान है। योगी सरकार ने इस अभियान को मिशन मोड में संचालित करते हुए जिला प्रशासन, राजस्व विभाग, कृषि विभाग और स्थानीय स्तर के कर्मचारियों को तेजी से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हैं। सरकार का उद्देश्य किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार करना है, जिससे उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, फसल बीमा, कृषि अनुदान, ऋण सुविधा और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से मिल सके। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता केवल पंजीकरण तक सीमित नहीं है, बल्कि भूमि और किसानों के रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाना भी है। इसी क्रम में "अंश निर्धारण" का कार्य भी तेजी से चल रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार उत्तर प्रदेश में अंश निर्धारण का कार्य 87.19 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है।

UPSC का पेपर खराब हो गया था वॉइस प्रिंसिपल का बेटा गोमती नदी में कूद गया

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में इंटर कॉलेज की वॉइस प्रिंसिपल का बेटा गोमती नदी में कूद गया। करीब साढ़े पांच घंटे बाद उसका शव मिला। घटना आज, सोमवार सुबह की है। मृतक की पहचान प्रखर आनंद पाल (26) निवासी आलमबाग के रूप में हुई। उसकी मां सुष्मलता राजकीय हुसैनाबाद इंटर कॉलेज में वॉइस प्रिंसिपल के पद पर तैनात हैं। बेटे के नदी में कूदने की जानकारी मिली तो वह घटनास्थल पहुंचीं। मां का घाट पर रो-रोकर बुरा हो गया। उन्होंने रोते हुए बताया कि कल वह UPSC का पेपर देने गया था।

बता रहा था कि उसका पेपर खराब हो गया है। मैंने कहा था कि कोई बात नहीं बेटा। तुम अच्छे बच्चे हो। दूसरी मीटिंग के पेपर पर ध्यान देना। इसके बाद उससे कोई बात नहीं हुई। पिता विष्णु गोपाल पाल की कुछ साल पहले मौत हो चुकी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह ट्रॉमा सेंटर मोर्चरी के पास एक स्कूटी खड़ी मिली। कुछ देर बाद लोगों ने वहां करीब 200 मीटर दूर प्रखर को गोमती नदी में छलांग लगाते देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। चौक थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और गोताखोरों की टीम को बुलाकर सर्च ऑपरेशन शुरू कराया। पुलिस का कहना है कि करीब साढ़े पांच घंटे सर्च अभियान चलाया गया। युवक का शव पुल से करीब 100 मीटर की दूरी पर मिला। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। प्रखर जहां

पर नदी में कूदा, उसी के सामने हुसैनाबाद इंटर कॉलेज है। कॉलेज के पास में ही पोस्टमॉर्टम हाउस है। प्रखर की स्कूटी की डिक्की में उसके कपड़े रखे हुए हैं। इस पर उसका हेल्मेट भी लगा हुआ है।

महिलाओं से बोले मुख्यमंत्री- गर्मी में अपना और परिवार का विशेष ध्यान रखिए

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों से मिलकर सभी की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशवासियों की सुरक्षा, सम्मान पर सरकार का पूरा जोर है। सरकार जनसमस्याओं के उचित समाधान के लिए प्रतिबद्ध भी है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तय समय सीमा के भीतर समस्याओं के निस्तारण का भी निर्देश दिया।'जनता दर्शन' में शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग से जुड़े कुछ मामले आए। मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि शिक्षा व स्वास्थ्य पर सरकार का विशेष जोर है। प्रदेश का हर व्यक्ति शिक्षित हो और हर जरूरतमंद को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलें, इसके लिए सरकार कृतसंकल्पित है। इन विभागों से जुड़े सभी मामले संवेदनशीलता से हल किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि पूरी संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के भी शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि हर जरूरतमंद की समस्या का समाधान हमारी सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देशित किया कि पूरी संवेदनशीलता से सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सभी को न्याय मिले। हर पात्र को योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो। मुख्यमंत्री ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के भी शीघ्रता से निस्तारण के निर्देश दिए।

लखनऊ को दहलाने की रच रहे थे साजिश?

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

NIA ने लखनऊ में प्रमुख सरकारी इमारतों को निशाना बनाने की एक खौफनाक साजिश का खुलासा किया है. एजेंसी के मुताबिक, यह साजिश उसी आतंकी मॉड्यूल से जुड़ी हुई है, जिस पर दिल्ली के रेड फोर्ट ब्लास्ट मामले में शामिल होने का आरोप है. एनआईए का दावा है कि डॉ. मुजम्मिल शकील और डॉ. शाहीन सईद ने फैमिटी ट्रिप के बहाने लखनऊ की रेकी की और वहां बम बनाने के सामान भी इकट्ठा किए थे. देश की राजधानी दिल्ली में लाल किले के पास हुए कार बम धमाका केस से जुड़े आतंकी मॉड्यूल की साजिश अब लखनऊ तक पहुंच गई थी. भारत की प्रमुख आतंकवाद निरोधक एजेंसी एनआईए की चार्जशीट में ऐसे खुलासे हुए हैं, जिन्होंने सुरक्षा एजेंसियों के भी होश उड़ा दिए. जांच एजेंसी का दावा है कि इस टेरर मॉड्यूल से जुड़े दो डॉक्टरों डॉ. मुजम्मिल शकील और डॉ. शाहीन सईद ने 'फैमिली ट्रिप' की आड़ में राजधानी लखनऊ में बड़े आतंकी हमले की जमीन तैयार कर ली थी. उत्तर प्रदेश के सबसे संवेदनशील सरकारी ठिकाने उनके निशाने पर थे. NIA के अनुसार, डॉ. मुजम्मिल इंटरनेट पर लखनऊ की उन दुकानों को खोज रहा था, जहां इस विस्फोटक को बनाने वाले केमिकल मिल सकें.

प्रतीक की तेरहवीं में अखिलेश, डिंपल समेत पूरा यादव परिवार शामिल

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भाई प्रतीक की आज तेरहवीं है। कार्यक्रम में पत्नी अपर्णा यादव ने पूड़ियां बांटीं। इस दौरान जब लोगों ने 'प्रतीक भैया अमर रहें' के नारे लगाए, तो वह खुद को रोक नहीं पाईं। उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों का अभिवादन किया और घर के अंदर चली गईं। सीएम योगी भी तेरहवीं में शामिल हुए। उन्होंने प्रतीक को श्रद्धांजलि दी और अपर्णा को सांत्वना दी। अखिलेश, शिवपाल यादव और डिंपल यादव समेत पूरा परिवार अपर्णा के घर पहुंचा। राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी पूड़ियां बांटीं। लोकगायिका मालिनी अवस्थी भी तेरहवीं में पहुंचीं। लखनऊ में विक्रमादित्य मार्ग पर स्थित अपर्णा के घर पर कार्यक्रम हो रहा है। इसमें रामधुन बज रही है। शहर के कई इलाकों में प्रतीक की तेरहवीं से जुड़े शोक संदेशों के होर्डिंग लगाए गए हैं। 13 मई की सुबह प्रतीक यादव का 38 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया था। अगले दिन यानी 14 मई को लखनऊ के बैकुंठ धाम श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि ससुर अरविंद सिंह बिष्ट ने दी थी। 16 मई को हरिद्वार के VVIP घाट पर प्रतीक की अस्थियां विसर्जित की गईं। अपर्णा बेटियों के साथ चार्टर्ड प्लेन से उत्तराखंड गई थीं। शिवपाल के बेटे आदित्य यादव भी उनके साथ गए थे। प्रतीक यादव क तेरहवीं में मंत्री राकेश सचान भी पहुंचे। उन्होंने प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। अपर्णा यादव और परिजनों को ढांढस बंधाया। लखनऊ में आयोजित शांति प्रार्थना सभा के दौरान समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रतीक यादव को पुष्पांजलि अर्पित की। स्वतंत्र प्रभार मंत्री जेपीएस राठौर अपर्णा यादव के घर पहुंचे। उन्होंने प्रतीक यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतीक यादव की तेरहवीं के भोज में छोला-चावल, पूड़ी-सब्जी और आइसक्रीम की व्यवस्था की गई। प्रतीक यादव की तेरहवीं में सपा से राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन भी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा- 38 साल के लड़के का हमारे बीच से जाना अपूरणीय क्षति है। इसे समाजवादी परिवार के लोग व्यक्तिगत क्षति मान रहे हैं। पूड़ी वितरण के दौरान लोगों के सामने हाथ जोड़कर अपर्णा यादव रोने लगीं। उनके बगल में मौजूद बीजेपी राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने भी पूड़ी बांटी।

अपराध पर लगाम के लिए शहर होगा हाईटेक

हर गली-मोहल्ले पर रहेगी सीसी कैमरों की नजर

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

शहर में लूट, चोरी छिनैती और अन्य आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए अब नगर पालिका पुलिस के संयुक्त प्रयास से हाईटेक सुरक्षा व्यवस्था लागू करने जा रही है। अपराधियों की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए पूरे नगरपालिका क्षेत्र को सीसी कैमरों से लैस किया जाएगा। करीब 2.5 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाली इस परियोजना के तहत शहर के प्रमुख मार्गों, चौराहों और गली-मोहल्लों के प्रवेश व निकास द्वारों पर कैमरे लगाए जाएंगे। नगर पालिका और पुलिस विभाग की संयुक्त रणनीति के तहत तैयार इस योजना का उद्देश्य अपराध होने के बाद आरोपितों की पहचान आसान बनाना और घटनाओं को शीघ्र राजफाश करना है। योजना के क्रम में अकरमपुर से कब्बाखेड़ा, गदनखेड़ा से शिवनगर व गांधी नगर तिराहा से आवास विकास समेत नगरपालिका क्षेत्र के हर गली-मुहल्लों तक कैमरों का सुरक्षा घेरा तैयार किया जाएगा। इसके अलावा बाजारों, संवेदनशील इलाकों और भीड़भाड़ वाले स्थानों की भी निगरानी कैमरों के जरिए सुनिश्चित की जाएंगी। परियोजना के तहत पुरानी तहसील परिसर में अत्याधुनिक कंट्रोल रूम बनाया जाएगा। यहां बड़ी स्क्रीन पर शहर भर के कैमरों की लाइव फुटेज देखी जा सकेगी। कंट्रोल रूम में नगर पालिका कर्मचारियों के साथ पुलिस कर्मियों की भी तैनाती रहेगी। जिससे किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित थाना पुलिस तक पहुंचाई जा सके। नगर पालिका अध्यक्ष पति भानू मिश्रा ने बताया कि कैमरों की स्थापना, संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी नगर पालिका के पास रहेगी। कैमरे ऐसे स्थानों पर लगाए जाएंगे जहां से आने-जाने वाले हर व्यक्ति और वाहन की गतिविधि कैद हो सके। रात में भी स्पष्ट फुटेज के लिए हाई रिजाल्यूशन नाइट विजन कैमरे लगाए जाने की तैयारी है। बताया कि जिस कंपनी को कैमरे लगाने का ठेका दिया जाएगा, वही रखरखाव की जिम्मेदारी भी संभालेगा। चोर-लुटरों से निपटने व घटनाएं होने पर अपराधियों की पहचान के लिए पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों को कैमरों से लैश किया था। रखरखाव के आभाव में यह खराब हो गए। कई बार नए कैमरे लगाए गए पर यह अधिक दिनों तक काम न कर सके। नगरपालिका की इस योजना से पुलिस को बड़ी सहूलियत मिलने जा रही है। एसपी जयप्रकाश सिंह ने बताया कि हर गली नुक्कड़ पर कैमरे लगने से अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा। चोरी, लूट, वाहन चोरी, विवाद और सड़क हादसों की जांच में कैमरों की फुटेज अहम साक्ष्य का काम करेगी। कई घटनाओं में अपराधी कैमरों के डर से वारदात करने से भी बचेंगे। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शहर के हर गली मुहल्लों के निकास व इंट्री प्वाइंट पर कैमरे लगाने की योजना है। प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है।

प्रसूताओं को सीएचसी में तीन दिन से नहीं मिला खाना

नवाबगंज। राज्य परिवर्तन आयोग की कोऑर्डिनेटर ने टीम के साथ सीएचसी व तीन पीएचसी पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं की पड़ताल की। मरीजों से मिल रही सेवाओं की जानकारी ली। इस दौरान प्रसूताओं ने खाना न मिलने की शिकायत की। कोऑर्डिनेटर पूनम सिंह ने मकूर, चमरौली और कटेहरू स्थित पीएचसी में पहुंचकर रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में मरीजों के लिए उपलब्ध दवाओं एवं सुविधाओं की जानकारी ली। नवाबगंज सीएचसी में लेबर वार्ड, डिलीवरी रूम, एनबीएसयू, महिला वार्ड, ऑपरेशन थिएटर का निरीक्षण किया। महिला वार्ड में भर्ती पुरवा के टीकरखुर्द निवासी प्रसूता सावित्री से बात की तो बताया कि अस्पताल में खाना, नाश्ता नहीं मिला। वेंडर ने गैस सिलिंडर न मिलने की बात बताई है जिसके चलते तीन दिन से खाना नहीं बन रहा है।

2700 उद्योगों में सप्ताह में 2 दिन WFH, बचेगा 63 हजार लीटर ईंधन

जिले के बड़े व मध्यम लगभग 2700 औद्योगिक संस्थानों के कार्यालयों में काम करने वाले 21 हजार कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम रहेंगे। प्रत्येक कर्मचारी औसतन डेढ़ लीटर ईंधन कार व बाइक आदि से फैक्ट्री आने-जाने में खर्च करते हैं। इस तरह ये कर्मी दो दिनों में लगभग 63,000 लीटर ईंधन बचाएंगे। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) पदाधिकारियों ने इसके लिए बैठक में संस्थानों के प्रबंधन से बात करने की तैयारी कर ली है। बैठक के बाद यह व्यवस्था अगले सप्ताह लागू करने की तैयारी है। इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) से आने वाले लगभग 500 कर्मचारियों को पूलिंग करने के लिए कहा गया है।जनपद के पांच औद्योगिक आस्थान में दही, बंथर, अकरमपुर, बांगरमऊ व सफीपुर औद्योगिक क्षेत्रों में 60 बड़े और 2686 मध्यम औद्योगिक संस्थान हैं। बड़े संस्थानों में लगभग 21 हजार व मध्यम में 10 हजार कर्मचारी कार्यालयों में काम करते हैं। इनमें 70 प्रतिशत कर्मचारी सप्ताह में दो दिन वर्क फ्राम होम रहेंगे। यह आंकड़ा निकालें तो लगभग 21 हजार होता है। लगभग 900 कर्मचारी ऐसे हैं जो कार से आते हैं, बाकी बाइक से। ज्यादातर उन्नाव जिले के ही हैं तो कुछ लखनऊ और कानपुर से भी आते हैं। अगर ये कर्मचारी दो दिन घर से ही काम करेंगे तो प्रतिदिन 31500 लीटर ईंधन का खर्च संस्थान तक आने-जाने में बचेगा।

भीड़ ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) महिला मोर्चा की मंडल मंत्री को घेरकर बेरहमी से पीटा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के मौरावां थाना क्षेत्र स्थित गालिबपुर गांव में सड़क निर्माण को लेकर हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। आरोप है कि इस दौरान भीड़ ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) महिला मोर्चा की मंडल मंत्री को घेरकर बेरहमी से पीटा। महिलाओं और पुरूषों ने लाठी-डंडों से उन पर हमला किया। यह घटना रविवार को हुई, जिसका वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। बताया जा रहा है कि गांव में रास्ते के निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हुई थी, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। वायरल वीडियो में कई महिलाओं और पुरूषों को एक साथ मारपीट करते देखा जा सकता है। घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन विवाद बढ़ता चला गया। इस मारपीट में कई लोगों को चोटें भी आई हैं। घायल पक्ष ने घटना के बाद पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि यह हमला गांव के प्रधान की शह पर किया गया। उनका कहना है कि सड़क निर्माण को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा था और विरोध करने पर उन्हें निशाना बनाया गया। वहीं, दूसरे पक्ष ने अपने ऊपर लगाए गए आरोपों को निराधार बताया है। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। लोग इस बात पर सवाल उठा रहे हैं कि जब सत्ताधारी दल की महिला पदाधिकारी ही सुरक्षित नहीं हैं, तो आम लोगों की सुरक्षा का क्या होगा। सोशल मीडिया पर भी इस घटना को लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। मामले में मौरावां थाना प्रभारी कुंवर बहादुर ने बताया कि वायरल वीडियो और प्राप्त शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है और जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मौरावां थाना क्षेत्र के गालिवपुर में रास्ते के विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी एवं मारपीट हुई थी।

युवाओं और महिलाओं को मिलेगा प्रशिक्षण उन्नाव में कला प्रशिक्षण केंद्र का किया लोकार्पण

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के हसनगंज तहसील क्षेत्र के मोहान स्थित बीबीपुर चिरियारी मोड़ पर सोमवार को कला प्रशिक्षण केंद्र का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में पंचायती राज विभाग के मंत्री ओमप्रकाश राजभर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पंचायत चुनाव और मदरसों में 'वंदे मातरम' को लेकर बड़ा बयान दिया। लोकार्पण समारोह में मुख्य विकास अधिकारी कृति राज समेत कई प्रशासनिक अधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री ओमप्रकाश राजभर का कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने स्वागत किया। फीता काटकर केंद्र का उद्घाटन करने के बाद मंत्री ने ग्रामीणों और युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरकार गांवों के विकास और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार काम कर रही है। यह कला प्रशिक्षण केंद्र युवाओं को हुनर सीखने का अवसर देगा, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकेंगे। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में मंत्री से पंचायत चुनाव को लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि "कोई प्रशासक नियुक्त किया जा रहा है। मंत्री की अनुमति मिल गई है। आज या कल में आदेश जारी हो जाएगा।" मंत्री के इस बयान के बाद पंचायत चुनाव और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। मदरसों में 'वंदे मातरम' अनिवार्य किए जाने के सवाल पर मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि यह केवल मदरसों में नहीं, बल्कि पूरे देश में सभी को गाना होगा। उन्होंने कहा, "पूरे देश में राष्ट्रगान और 'वंदे मातरम' सबको गाना है।" कार्यक्रम में अधिकारियों ने बताया कि कला प्रशिक्षण केंद्र के माध्यम से स्थानीय युवाओं और महिलाओं को विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे स्वरोजगार और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। समारोह में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग, प्रशासनिक अधिकारी और पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एक्सप्रेसवे पर टायर चेक कर रहे ट्रक के चालक व क्लीनर को दूसरे ट्रक ने कुचला, दोनों की दर्दनाक मौत

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर दिपवल गांव के पास सड़क किनारे खड़े मक्का लगे ट्रक के पहियों की हवा चेक करते समय पीछे से आए दूसरे ट्रक ने चालक व क्लीनर को रौंद दिया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने दूसरे ट्रक के चालक और क्लीनर को हिरासत में लिया है। बिजनौर जिले के थाना चांदपुर के गांव भोगनावाला निवासी ट्रक चालक रईस (35) पुत्र मो शमीम और क्लीनर जैनुल (35) बिहार से ट्रक में मक्का लादकर एक्सप्रेसवे के रास्ते करनाल जा रहे थे। आगरा- लखनऊ एक्सप्रेसवे पर औरास थानाक्षेत्र के दिपवल गांव के पास भोर 3:30 बजे ट्रक खड़ा कर चालक और परिचालक टायर की हवा चेक करने लगे। उसी समय लखनऊ की ओर से राजस्थान जा रहे तेज रफ्तार ट्रक के चालक रहमत को झपकी आने से दोनों को रौंद दिया। हादसे के के बाद यूपीडा के कर्मचारियों ने दूसरे ट्रक के चालक और क्लीनर को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने दूसरे ट्रक के चालक और क्लीनर को हिरासत में लिया है। दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं। थानाध्यक्ष संजीव कुशवाहा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं परिजनों को सूचना दे दी गई है। दूसरे ट्रक के चालक और क्लीनर को हिरासत में लिया गया है।

यूपी में बिजली संकट और बकरीद तैयारियों पर सियासत तेज अखिलेश का हमला तो योगी के सख्त निर्देश

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रदेश में बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया।वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बकरीद से पहले कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए खुले में नमाज़ और कुर्बानी पर रोक समेत कई सख्त निर्देश जारी किए हैं।

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को उत्तर प्रदेश में चल रहे बिजली संकट को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी राजनीतिक दांव-पेच और मंत्रिमंडल फेरबदल के जरिए जनता के बढ़ते गुस्से से ध्यान हटाने की कोशिश कर रही है। X पर एक कड़े शब्दों वाले पोस्ट में यादव ने भाजपा विधायकों और सांसदों पर उत्तर प्रदेश में चल रहे महा विद्युत संकट को लेकर जनता के आक्रोश से खुद को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि सत्ताधारी पार्टी के नेता जनहित में नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले अपना राजनीतिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए पत्र जारी कर रहे हैं। अखिलेश ने लिखा कि उत्तर प्रदेश में असहनीय 'महा विद्युत संकट' के कारण लगातार बढ़ते जन आक्रोश से बचने के लिए, भयभीत भाजपा विधायक और सांसद एक दिखावटी पत्र के रूप में 'कागजी कवच' का सहारा लेने की कोशिश कर रहे हैं - लेकिन यह पत्र वास्तव में उनकी अपनी सरकार को लिखा गया कोई 'जनहित पत्र' नहीं है; बल्कि यह आगामी चुनावों में भाजपा की डूबती नाव से निकलकर विपक्ष को टिकट पाने के लिए लिखा गया एक 'आवेदन पत्र' है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख ने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान लंबे समय तक बिजली कटौती ने बुजुर्गों, बच्चों, महिलाओं और बीमारों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं, साथ ही उन्होंने सरकार पर जनता की शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। यादव ने आगे कहा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है जो जनता को केवल कष्ट, पीड़ा और कठिनाइयों का ही कारण देते हैं। इस भीषण गर्मी में, घर पर बुजुर्गों, बीमारों, बच्चों और भोजन-पानी का इंतजाम करते हुए झुलस रही महिलाओं की दुर्दशा को केवल परिवार के सदस्य ही सही मायने में समझ सकते हैं।उन्होंने कहा कि जो लोग कभी आपदाओं में अवसर तलाशते थे, अब उन्हें पता चल गया है कि जिस 'अधिकारी' को वे अवसर के लिए निशाना बना रहे थे, वही स्वयं आपदा बन गया है। जब तक हाथ खड़े करके और नारे लगाकर भागने वाले लोग बने रहेंगे, तब तक समस्याएँ हल नहीं होंगी। उन्होंने भाजपा की दोहरे इंजन वाली सरकार के कामकाज पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भाजपा के दोहरे इंजन वाले ढांचे में चल रहे इस आंतरिक संघर्ष का खामियाजा जनता को क्यों भुगतना पड़े?

देशभर में ईद-उल-अधा (बकरीद) की तैयारियां ज़ोरों पर हैं, ऐसे में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्योहार से पहले सख्त निर्देश जारी किए हैं। रविवार को हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी ने राज्य भर के पुलिस अधिकारियों और जिला मजिस्ट्रेटों को सतर्क रहने और त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने आदेश दिया है कि ईद-उल-अधा के दिन खुले स्थानों पर न तो नमाज़ पढ़ी जाएगी और न ही कुर्बानी दी जाएगी। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी ने बकरीद के उत्सव से संबंधित 10 सख्त निर्देश जारी किए हैं; आइए इन पर विस्तार से नज़र डालते हैं। मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया कि नमाज़ केवल मस्जिद परिसर के अंदर ही अदा की जानी चाहिए और किसी भी परिस्थिति में खुले सार्वजनिक स्थानों या सड़कों पर नमाज़ नहीं अदा की जानी चाहिए। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि नमाज़ अदा करने के लिए सड़कों को अवरुद्ध नहीं किया जाना चाहिए और सुझाव दिया कि यदि नमाज़ियों की संख्या अधिक हो तो नमाज़ बारी-बारी से अदा की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने आगे निर्देश दिया कि खुले क्षेत्रों में पशु बलि नहीं दी जानी चाहिए और प्रतिबंधित जानवरों की बलि पर सख्त रोक लगा दी। त्योहार के दौरान स्वच्छता पर जोर देते हुए, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पशु बलि के बाद किसी भी प्रकार की

अनिल राजभर ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को बताया दो कौड़ी का नेता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित तौर पर की गई टिप्पणी के बाद कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ सत्ता पक्ष लामबंद हो चुका है। इसके साथ ही बीजेपी के कार्यकर्ता प्रदेश और देश में विभिन्न स्थानों पर अजय राय के खिलाफ प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने का काम कर रहे हैं। इसी बीच प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने अजय राय को लेकर एक बयान दिया है, जिसके बाद इस बयान को लेकर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। दरअसल, महोबा में अजय राय द्वारा कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए अपशब्द कहे जाने के बाद बीजेपी अजय राय को आड़े हाथों ले रही है। वहीं, उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने अजय राय को दो कौड़ी और थूक कर चाटने वाला नेता तक करार दे दिया है। अनिल राजभर के इस बयान के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नाराजगी देखी जा रही है। कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि अपने द्वारा दिए गए बयान को अजय राय एआई का बता रहे हैं। अजय राय को उत्तर प्रदेश सरकार के हंटर से डर लग रहा है, इसीलिए वह इसे एआई निर्मित वीडियो बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि अजय राय बहुत बलवान बनते थे, लेकिन सच्चाई यह है कि अजय राय दो कौड़ी के प्रदेश अध्यक्ष हैं। अजय राय अपनी असली औकात में आ चुके हैं। जब हंटर चलने की संभावना दिखाई तो तो थूक कर चाटने वालों की तरह बात करने लगे कि हमने ऐसा कुछ नहीं कहा है। अनिल राजभर ने कहा है कि अजय राय के खिलाफ कार्रवाई जरूर की जाएगी।

पिता-पुत्र की बेरहमी से हत्या करने के बाद भाग रहे आरोपी का एनकाउंटर

उत्तर प्रदेश के कानपुर में मामूली बाइक टक्कर से शुरू हुआ विवाद कुछ ही मिनटों में खूनी वारदात में बदल गया था। पिता और पुत्र की हत्या के मामले में फरार चल रहे आरोपियों को पुलिस ने सोमवार तड़के मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान मुख्य आरोपी करण वर्मा के दोनों पैरों में गोली लगी, जबकि उसके साथ मौजूद उज्ज्वल अवस्थी और समीर गौतम को पुलिस ने मौके से पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी शहर छोड़कर भागने की तैयारी में थे, लेकिन समय रहते उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह करीब 4:30 बजे सूचना मिली कि हत्या के मामले में फरार आरोपी हमीरपुर रोड की तरफ जाने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम सक्रिय हो गई और इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी गई। पुलिस ने संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने भागने की कोशिश की। आरोप है कि इसी दौरान मुख्य आरोपी करण ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने गोली चलाई, जिसमें करण के दोनों पैरों में गोली लग गई। घायल आरोपी को हिरासत में लेकर अस्पताल पहुंचाया गया, जबकि अन्य आरोपियों को भी पकड़ लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने वारदात से जुड़े कई अहम तथ्यों की जानकारी दी है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी अपने एक साथी समीर गौतम की मदद से शहर से बाहर निकलने की फिराक में थे। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ कर पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ रही है। दरअसल, पूरी घटना रविवार रात यशोदा नगर बाईपास इलाके में हुई थी। पुलिस कमिश्नर डॉ. विपिन ताडा के अनुसार, चकेरी थाना क्षेत्र के कोयला नगर स्थित कांशीराम कॉलोनी निवासी शिवनारायण तिवारी अपने दोनों बेटों शिवम और सत्यम के साथ काम खत्म कर घर लौट रहे थे। तीनों एक ही बाइक पर सवार थे। बताया गया कि वे विराट नगर स्थित वृंदावन गेस्ट हाउस के पास पहुंचे थे, तभी शराब ठेके के पास से निकले अपाचे बाइक सवार युवकों की बाइक उनकी बाइक से टकरा गई।

पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक पत्नी ने अपने प्रेमी, बहन और बहन के प्रेमी के साथ मिलकर पति की ऐसी खौफनाक हत्या की, जिसने हर किसी को झकझोर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की वजह पत्नी का अपने ही तहेरे भतीजे से चल रहा प्रेम प्रसंग था। मृतक युवक अपनी पत्नी को कई बार समझाता रहा, लेकिन वह प्रेम संबंध खत्म करने को तैयार नहीं हुई। आखिरकार अवैध रिश्ते ने एक पूरे परिवार को तबाह कर दिया। मृतक पवन ठाकुर को काफी समय पहले ही अपनी जान का खतरा महसूस होने लगा था। उसने अपनी बहनों से कई बार कहा था कि अगर उसकी मौत होती है तो उसे आत्महत्या न समझा जाए, बल्कि हत्या माना जाए। पवन को शक था कि उसके खिलाफ कोई साजिश रची जा रही है। हालांकि उसने कभी यह कल्पना भी नहीं की थी कि उसकी अपनी पत्नी ही उसकी मौत की वजह बन जाएगी। परिवार वालों के मुताबिक पवन पिछले कई महीनों से मानसिक तनाव में रह रहा था। पुलिस जांच में सामने आया कि पवन ठाकुर की शादी साल 2020 में संभल जिले की रहने वाली आंचल से हुई थी। दोनों की एक दो साल की बेटी भी है। शादी के कुछ साल बाद आंचल का पवन के तहेरे भाई यानी ताऊ के बेटे अंकित से प्रेम संबंध शुरू हो गया। यह रिश्ता धीरे-धीरे इतना गहरा हो गया कि दोनों हर हाल में साथ रहना चाहते थे।